IUJ in Press

Press Clippings regarding the events and Programs organized by ICFAI University Jharkhand

सन्मार्ग | रांची, शनिवार, 29 जनवरी 2022 | 04

www.live7tv.com

इक्फाई विवि में ऑनलाइन सर्टिफिकेट की शुरूआत

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय में व्यवसाय के डिजिटल परिवर्तन पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स की शुरूआत 30 जनवरी से (29 जनवरी 2022 तक आवेदन की अंतिम तिथि) होगी। इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ कार्यकारी अधिकारी और प्रबंधक भाग ले सकते हैं। पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विवि की डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम स्वाध्याय से अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं और कक्षाएं ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के माध्यम से संचालित की जाएंगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल तकनीक के बुनियादी सिद्धांतों और ग्राहकों के लाभ के लिए उद्योग में उन्हें कैसे लागू किया जाता है, उसे शामिल किया जाएगा। पाठ्यक्रम में आईबीएम, कैप जेमिनी, जेएसडब्ल्यू, मैकनली भारत जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधक संकाय के रूप में होंगे। विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि सफल डिजिटल परिवर्तन कंपनियों के राजस्व और मुनाफे में तेजी से वृद्धि में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि मैकिन्से की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में कंपनियों द्वारा निवेश दोगुना से अधिक हो जाएगा, जिससे रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इस उभरते हुए क्षेत्र में कौशल हासिल करने से विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यकारी अधिकारियों और प्रबंधकों को नए डिजिटल बिजनेस वर्ल्ड में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिलेगी।

Morning India
For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com

11 | Ranchi, Saturday 29 January, 2022

CAMPUS/ OP-ED

ICFAI University to conduct Online Certificate Course on Digital Transformation of Business

ICFAI University, Jharkhand is conducting four weeks Online Certificate Program on Digital Transformation of Business. Students as well as working Executives / Managers can attend the course, as the classes are conducted online on Sundays. The course will be conducted in a blended mode, wherein the students can access the study material from Swaadhyay, the University's Digital Learning Management System and classes will be conducted through Online Video Conferencing System.

The course will cover fundamentals of Digital Technologies and how they are applied in industry for the benefit of the customers. Faculty for the course will be primarily, senior practicing managers from reputed companies like IBM, Cap Gemini, JSW, McNally Bharat etc.

Briefing the news, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Successful Digital Transformation will help in steep growth in revenues and profits of the companies. As per a recent McKinsey report, investments by companies in Digital Transformation will more than double, in the next 5 years, thereby creating huge job opportunities. Acquiring skills in this emerging area will help students as well as working Executives/Managers to excel in the new Digital Business World." Giving more details on the course, Prof Arvind Kumar, Registrar of the University said, "Last date for applying for the course is 29th Jan 2022 and the course will commence on 30th Jan 2022. Fees for the course is Rs 4,000 for working professionals and Rs 2,000 for students. Interested persons can register online and pay online by visiting the university's website at https://iujharkhand.edu.in/admissions/2021/certdtb/. In case of any queries, Dr Sudipta Majumdar can be contacted on Mobile / Whatsapp at 99831-38397" About the ICFAI University Jharkhand: The ICFAI University, Jharkhand (IUJ) belongs to the ICFAI University Group (IUG), which pioneered Professional Education in India. More details on IUJ can be found by visiting its website at www.iujharkhand.edu.in or its Face Book page at.

सन्मार्ग | रांची, शनिवार, 29 जनवरी 2022 | 04

www.live7tv.com

इक्फाई विवि में ऑनलाइन सर्टिफिकेट की शुरूआत

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय में व्यवसाय के डिजिटल परिवर्तन पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स की शुरूआत 30 जनवरी से (29 जनवरी 2022 तक आवेदन की अंतिम तिथि) होगी। इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ कार्यकारी अधिकारी और प्रबंधक भाग ले सकते हैं। पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विवि की डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम स्वाध्याय से अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं और कक्षाएं ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के माध्यम से संचालित की जाएंगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल तकनीक के बुनियादी सिद्धांतों और ग्राहकों के लाभ के लिए उद्योग में उन्हें कैसे लागू किया जाता है, उसे शामिल किया जाएगा। पाठ्यक्रम में आईबीएम, कैप जेमिनी, जेएसडब्ल्यू, मैकनली भारत जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधक संकाय के रूप में होंगे। विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि सफल डिजिटल परिवर्तन कंपनियों के राजस्व और मुनाफे में तेजी से वृद्धि में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि मैकिन्से की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में कंपनियों द्वारा निवेश दोगुना से अधिक हो जाएगा, जिससे रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इस उभरते हुए क्षेत्र में कौशल हासिल करने से विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यकारी अधिकारियों और प्रबंधकों को नए डिजिटल बिजनेस वर्ल्ड में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिलेगी।

LTB लोकतंत्र भारत | राज्य | रांची, शनिवार 12 फरवरी 2022 | 03

इक्फाई विवि में बौद्धिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला आयोजित

लोकतंत्र भारत संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने पेटेंट कार्यालय (उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) पर एकदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति डॉ. रोहित राठौरए पेटेंट और डिजाइन के सहायक नियंत्रक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के थे। कार्यशाला में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए झारखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा 'आज की दुनिया में कोई भी नया विचार ही सफलतापूर्वक व्यवसाय बना रहे हैं और इस प्रकार के बौद्धिक संपदा ... इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी यह समझें कि बौद्धिक संपदा क्या है, इसके निर्माता के कानूनी अधिकार और उल्लंघनों से इसे कैसे बचाया जाए। इस संदर्भ में, आज की कार्यशाला छात्रों, शिक्षकों और कामकाजी पेशेवरों के लिए बहुत उपयोगी होगी। डॉ. रोहित राठौर ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ विभिन्न प्रकार ... ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, डिजाइन, भौगोलिक संकेत, सेमीकंडक्टर और लेआउट के बारे में बताया। भारत में आईपीआर के इतिहास का पता लगाते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पहला पेटेंट 1856 में 'कुशल पंखा खींचने वाली मशीन' के लिए दिया गया था। उन्होंने आवेदन की प्रक्रिया और पेटेंट प्रदान करने के लिए उपयोग किए ... अधिकारियों द्वारा ट्रेडमार्क, कॉपीराइट आदि के पंजीकरण के बारे में बताया। उन्होंने उल्लंघन से बचाव के दिशा-निर्देश भी बताए। डॉ. राठौर ने सरकारी, निजी कॉर्पोरेट के साथ-साथ अन्य कामकाजी छात्रों के लिए कैरियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र के अंत में कार्यशाला में उपस्थित लोगों के साथ प्रश्नोत्तर का दौर हुआ, जिसके बाद रोचक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का संचालन विधि संकाय की प्रोफेसर आकृति गुप्ता ने किया। धन्यवाद प्रस्ताव प्रो. अरविन्द कुमार, कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आलोक कुमार ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सभी विषयों के छात्र, संकाय सदस्य, कामकाजी पेशेवर, युवा नव प्रवर्तनकर्ता और उद्यमी ...

Morning India

CAMPUS/CAREER

Workshop on Intellectual Property Rights conducted at ICFAI University

---

नया विचार ही सफल व्यवसाय बन रहा : प्रो राव

रांची. इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा है कि आज की दुनिया में कोई भी नया विचार सफलतापूर्वक व्यवसाय बन जा रहा है, साथ ही इस तरह की बौद्धिक संपदा सबसे मूल्यवान संपत्ति बन रही है. इसलिए महत्वपूर्ण है कि हम सभी यह समझें कि बौद्धिक संपदा क्या है. कुलपति शुक्रवार को विवि में पेटेंट कार्यालय (उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपीआर) पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बोल रहे थे. डॉ रोहित राठौर ने कहा कि भारत में पहला पेटेंट 1856 में कुशल पंखा खींचने वाली मशीन के लिए दिया गया था. उन्होंने सरकारी, निजी कॉरपोरेट के साथ अन्य कामकाजी छात्रों के लिए करियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया. संचालन प्रो आकृति गुप्ता व प्रो आलोक कुमार व धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने किया.

प्रभात खबर Sat, 12 February 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com/c

---

पूर्वांचल सूर्य झारखंड 2

इक्फाई विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार विषयक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

बौद्धिक संपदा अधिकार की रक्षा जरूरी : प्रो. ओआरएस राव

Morning India

CAMPUS/CAREER

Workshop on Intellectual Property Rights conducted at ICFAI University

---

सन्मार्ग रांची, शनिवार, 12 फरवरी 2022 02

इक्फाई विवि में संपदा अधिकार पर कार्यशाला

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय और केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बौद्धिक संपदा के अधिकार पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डा पेटेंट और डिजाइन के सहायक नियंत्रक डॉ रोहित राठौर संसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल हुये। कार्यक्रम इक्फाई विवि के वीसी प्रोफेसर आरएस राव ने कहा कि व्यवसाय में नये विचार लानेवालों को भारी सफलता मिल रही है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा सबसे कीमती संपत्ति है। डॉ रोहित राठौर ने विभिन्न उदाहरणों के साथ विभिन्न प्रकार के बौद्धिक संपदाओं यथा ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, डिजाइन, भौगोलिक संकेत, सेमीकंडक्टर और लेआउट के बारे में बताया। उन्होंने पेटेंट प्रदान करने के लिये उपयोग किये जानेवाले मानदंड और

रांची, मंगलवार 01.03.2022 खबर मन्त्र 03

झारखंड में सामूहिक प्रयासों से किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता: डॉ ओंकार नाथ

इक्फाई विवि का भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना विषयक संगोष्ठी

---

04 खबर मन्त्र रांची, बुधवार 16.02.2022

इक्फाई विवि ने ऑनलाइन ... सूचना प्रणाली लागू की : ...

LTB लोकतंत्र भारत राज्य 04

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

LTB लोकतंत्र भारत राज्य 02

इक्फाई विश्वविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक की बैठक आयोजित

पूर्वांचल सूर्य झारखंड 3

इक्फाई विश्वविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक की ऑनलाइन बैठक आयोजित

विश्वस्तरीय गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना मुख्य उद्देश्य : प्रो.ओआरएस राव

---

04 खबर मन्त्र रांची, मंगलवार 22.02.2022 रांची सिटी

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता

रांची आसपास

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

LTB लोकतंत्र भारत राज्य 06

इक्फाई विश्वविद्यालय में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत् रोड मैप बनाना पर संगोष्ठी आयोजित

लोकतंत्र संवाददाता

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाकर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों में डॉ ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि